Thirteenth Loksabha

Session : 11
Date : 11-12-2002
Participants : Rawat Prof. Rasa Singh ,Singh Shri Akhilesh

NT>

Title: Need to waive off the loans due to the farmers in Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले चार वर्ों से घोर अकाल से पीड़ित राजस्थान के किसान भुखमरी, बेरोजगारी और फसलों की बर्बादी के चलते आत्महत्या करने पर उतारू हो गये हैं। यह बहुत चिंता का विाय है। ...(व्यवधान) राट्रीय अपराध रिकार्ड़ ब्यूरो ...(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : यहां बयान दिया गया था कि भूख से कोई मौत नहीं हुई। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, समय नहीं है।

...(व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत : राट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार पिछले तीन वर्ों में राजस्थान के लगभग पांच हजार किसानों ने आत्महत्या की । सिर्फ वर्ा 2001 में इस तरह के 500 से ज्यादा मामले प्रकाश में आये हैं। ब्यूरो के अनुसार 1997 से लेकर 2001 तक 3329 किसानों ने आत्महत्या की। दुर्भिक्ष एवं अकाल के कारण लगातार हो रहे नुकसान के कारण और कर्ज के बढ़ते बोझ के बीच कृाि और पशु-पालन नकारा हो रहे हैं।

मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि घोर अकाल से पीड़ित राजस्थान के किसानों को जीने तथा राहत प्रदान करने हेतु 25 हजार रुपये तक के कर्जे माफ किये जायें ताकि वे किसान अपने घर-परिवार को थोड़ा सहारा देने लायक हो जायें। ...(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : आप कर्ज माफ करने की बात सरकार से करिये। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, एक तरफ प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि भूख से कोई नहीं मरा ...(व्यवधान) दूसरी तरफ सदन के अंदर गलत बयानी होती है।

प्रो. रासा सिंह रावत : आपको इसका समर्थन करना चाहिए। हम किसानों के प्रतिनिधि हैं। ... (व्यवधान) हम सरकार से कह रहे हैं और सरकार सुन रही है। ...(व्यवधान)